Series 65JLZ ʊ/C **SET~1**

कोड नं. **3/3/1**

रोल नं.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

नोट

(i) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **15** हैं ।

(ii) प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।

(iii) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **17** प्रश्न हैं ।

(iv) कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।

(v) इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (अ)
HINDI (A)

निर्धारित समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 80*

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख़्ती से अनुपालन कीजिए :

(क) *प्रश्न-पत्र* ***दो*** *खण्डों में विभाजित किया गया है —* ***अ*** *और* ***ब*** *। सभी प्रश्न* ***अनिवार्य*** *हैं ।*

(ख) *(i)* ***खण्ड अ*** *में प्रश्न संख्या* ***1*** *तथा* ***2*** *अपठित गद्यांश/पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्न हैं ।*

(ii) *प्रश्न संख्या* ***3*** *से* ***6*** *तक व्याकरण के बहुविकल्पी प्रश्न हैं ।*

(iii) *प्रश्न संख्या* ***7*** *से* ***10*** *तक पाठ्य-पुस्तक से बहुविकल्पी प्रश्न हैं ।*

(ग) *(i)* ***खण्ड ब*** *में प्रश्न संख्या* ***11*** *से* ***13*** *तक पाठ्य-पुस्तक एवं पूरक पाठ्य-पुस्तक से वर्णनात्मक प्रश्न हैं ।*

(ii) *प्रश्न संख्या* ***14*** *से* ***17*** *तक रचनात्मक लेखन के प्रश्न हैं ।*

(घ) *(i)* *यथासंभव प्रत्येक खण्ड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए ।*

(ii) *उत्तर संक्षिप्त तथा क्रमिक होने चाहिए और साथ ही दी गई शब्द सीमा का यथासंभव अनुपालन कीजिए ।*

(iii) *प्रश्न-पत्र में समग्र पर कोई विकल्प नहीं है तथापि प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं । पूछे गए प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए सही विकल्प का ध्यान रखिए ।*

(iv) *इनके अतिरिक्त, आवश्यकतानुसार, प्रत्येक खण्ड और प्रश्न के साथ यथोचित निर्देश दिए गए हैं ।*

खण्ड अ

(वस्तुपरक प्रश्न)

अपठित गद्यांश

1. नीचे दो गद्यांश दिए गए हैं । गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और किसी ***एक*** गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए । *5×1=5*

गद्यांश एक

(यदि आप इस गद्यांश का चयन करते हैं तो कृपया उत्तर-पुस्तिका में लिखिए कि आप प्रश्न संख्या एक में दिए गए गद्यांश एक पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिख रहे हैं ।)

आज एक बहुत बड़ी प्राथमिकता विश्व में विषमता कम करने की है और समता बढ़ाने की है । हाल के वर्षों में विश्व-स्तर पर अनेक देशों में विषमता तेज़ी से बढ़ी है । यह बढ़ती विषमता ही निर्धनता दूर करने की राह में सबसे बड़ी बाधा बन रही है । इस बढ़ती विषमता के परिणामस्वरूप सामाजिक असंतोष भी बढ़ता है और हिंसा के हालात बनते हैं । विश्व-स्तर पर हाल के समय में इतनी अधिक संपत्ति और आय सबसे बड़े अरबपतियों के हाथों में संचित हुई है कि चंद व्यक्तियों को बड़े बदलावों को प्रभावित और नियंत्रित करने की ताक़त लगातार बढ़ती जा रही है । यह स्थिति लोकतंत्र के लिए भी ख़तरनाक है । अनेक देशों में लोकतांत्रिक प्रक्रियाएँ भी अरबपतियों के द्वारा संपदा के अनुचित उपयोग के कारण प्रभावित हो रही हैं ।

दुनिया में सबसे बड़ी चुनौती आर्थिक और सामाजिक विषमता कम करने की है । सामाजिक विषमता को न्यूनतम करने के लिए धर्म, जाति, रंग, नस्ल, लिंग आदि पर आधारित सभी तरह के भेदभावों को ख़त्म करना होगा । एक आशाजनक परिवर्तन यह आया है कि सामाजिक विषमता को समाप्त करने के प्रति समाजों में अब चेतना बढ़ रही है । सदियों से जिन्होंने सामाजिक विषमता सही है, वे इसके विरोध के लिए अब सक्रिय हैं और उन्हें नए क़ानूनों और समाज के दूसरे तबकों से समर्थन भी मिल रहा है । दूसरी ओर इन समतावादी प्रक्रियाओं का विरोध भी हो रहा है । इसे क्रिया की प्रतिक्रिया का ही रूप माना जा सकता है । सामाजिक विषमता को कम करने के प्रयास सशक्त हों और अमन-शांति की राह पर सफलता प्राप्त करें, इसके लिए अभी बहुत सुलझे हुए प्रयासों की आवश्यकता है ।

निम्नलिखित प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

(i) लेखक के अनुसार विश्व में बढ़ती हिंसा और असंतोष का मुख्य कारण है

(A) निर्धनता

(B) असमानता

(C) अशिक्षा

(D) सामाजिक चुनौतियाँ

(ii) लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं का नियंत्रण किनकी मुट्ठी में है ?

(A) धनाढ्य वर्ग

(B) सामान्य जनता

(C) चंद व्यक्ति

(D) प्रभावशाली नेता

(iii) विभिन्न भेदभावों से मुक्त समाज कैसा होगा ?

(A) समता और आशा से भरपूर

(B) संतुष्ट और अरबपतियों से भरपूर

(C) समझदार और शिक्षित

(D) सौहार्दपूर्ण और ख़ुशहाल

(iv) सामाजिक विषमता को कम करने के लिए सर्वोत्तम प्रयास का क्षेत्र हो सकता है

(A) समान धर्म

(B) समदृष्टिकोण

(C) शिक्षा

(D) जागरूकता

(v) उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक हो सकता है

(A) आज की प्राथमिकता

(B) सामाजिक विषमता की चुनौती

(C) दबा हुआ असंतोष

(D) प्राचीन समाज

अथवा

गद्यांश दो

(यदि आप इस गद्यांश का चयन करते हैं तो कृपया उत्तर-पुस्तिका में लिखिए कि आप प्रश्न संख्या एक में दिए गए गद्यांश दो पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिख रहे हैं ।)

वुहान में एक विषाणु पैदा हुआ और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर फिर से संकट आ गया । विशालकाय अर्थव्यवस्था ने धोखा दे दिया । यदि गांधी होते तो हमें याद दिलाते कि स्थानीय उत्पादन, स्थानीय उपभोग तथा परस्पर संबद्ध स्थानीय लघु समूह ही ज़्यादा स्थायी, अधिक मानवीय और ज़्यादा सशक्त अर्थतंत्र की रचना करते हैं । इसे वे 'ग्रामस्वराज' कहते थे । परावलंब आते ही आज़ादी ख़तरे में पड़ जाती है । गांधी हमें स्थानीय, यथासंभव स्वयं में पूर्ण अर्थव्यवस्था सुझाते ।

गांधी हमसे फिर से कहते — "यह धरती सभी की ज़रूरतें पूरी करने के लिए सक्षम है लेकिन लालच के लिए बहुत छोटी है ।" ज़रूरत और लालच के बीच विवेक का सामर्थ्य, सबकी ज़रूरतें पूरी करने वाली किंतु लालच पर नियंत्रण रखने वाली समाज-व्यवस्था और नैतिकता का प्रशस्त मार्ग गांधी हमें एक बार पुन: सुझाते । याद कीजिए न, उन्होंने हमें स्वराज की व्याख्या क्या बताई थी; 'स्वयं का राज्य नहीं, स्वयं पर राज्य' ।

जब हम विवेक से अपनी ज़रूरतों पर नियंत्रण करेंगे, तब हमें अनुभव होगा कि आधुनिक समाज की अनेक अतियों के रहते हुए भी जीवन आनंदमय हो सकता है । अनावश्यक उत्पादनों का पहाड़ और उनका अविवेकी उपभोग, उत्पादन करते रहने के लिए कारख़ानों के महाजाल, पागल प्रवास और तूफ़ानी वाहन ये सब थमने लगेंगे । धूल और धुआँ कम होने लगेगा । आकाश और जलाशय फिर से साफ़ और नीले होने लगेंगे । कोविड काल की तालाबंदी के दौरान इसकी एक झलक हमने देखी ही है । और आश्चर्य, इसी के साथ ग्लोबल वार्मिंग में भी कमी आने लगी थी । यदि इससे सबक नहीं सीखा तो हम एक और विनाशक चुनौती की ओर बढ़ रहे होंगे ।

निम्नलिखित प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

(i) आर्थिक स्थिति की मज़बूती के लिए अपेक्षित है

(A) स्वावलंबन

(B) परावलंबन

(C) एकजुटता

(D) कर्मठता

(ii) ज़रूरत और लालच के बीच विवेक होना क्यों ज़रूरी है ?

(A) ज़रूरत और लालच को समझने के लिए

(B) ज़रूरतों को पूरा करने के लिए

(C) ज़रूरतों को सीमित करने के लिए

(D) लालच को सीमाओं में बाँधने के लिए

(iii) उत्पादनों के पहाड़ खड़े करने से पर्यावरण किस प्रकार प्रभावित होता है ?

(A) धूल, धुआँ और स्वच्छ वायु का बहाव

(B) तापमान वृद्धि, धूल, धुआँ आदि से प्रदूषण

(C) आकाश और जलाशयों का फिर से साफ़ और नीला होना

(D) ग्लोबल वार्मिंग में कमी

(iv) उत्पादों का विवेकपूर्ण उपभोग अपेक्षित है

(A) अतियों से बचने के लिए

(B) स्वस्थ रहने के लिए

(C) मोहमाया से बचने के लिए

(D) आनंदमय जीवन के लिए

(v) गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक होगा

(A) कोरोना का कहर

(B) गांधीवादी नीति

(C) ग्रामस्वराज्य

(D) उपभोक्तावाद

अपठित पद्यांश

2. नीचे दो पद्यांश दिए गए हैं । पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और किसी ***एक*** पद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए । *5×1=5*

पद्यांश एक

(यदि आप इस पद्यांश का चयन करते हैं तो कृपया उत्तर-पुस्तिका में लिखिए कि आप प्रश्न संख्या दो में दिए गए पद्यांश एक पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिख रहे हैं ।)

जब माँ की काफ़ी उम्र हो गई
तो वह सभी मेहमानों को नमस्कार किया करती
जैसे वह एक बच्ची हो और बाक़ी लोग उससे बड़े ।

वह हरेक से कहती — बैठो, कुछ खाओ ।
ज़्यादातर लोग उसका दिल रखने के लिए
खाने की कोई चीज़ लेकर उसके पास कुछ देर बैठ जाते
माँ ख़ुश होकर उनकी तरफ़ देखती
और जाते हुए भी उन्हें नमस्कार करती
हालाँकि वह उम्र में सभी लोगों से बड़ी थी ।

वह धरती को भी नमस्कार करती कभी अकेले में भी
आख़िर में जब मृत्यु आई तो
उसने उसे भी नमस्कार किया होगा
और अपना जीवन उसे देते हुए कहा होगा —
बैठो, कुछ खाओ ।

निम्नलिखित प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

(i) प्रथम तीन पंक्तियों में माँ की कौन-सी विशेषता ***नहीं*** मिलती ?
- (A) विनम्रता
- (B) बड़प्पन
- (C) सरलता
- (D) निष्ठा

(ii) कुछ लोग माँ के प्रति आदर-सम्मान कैसे व्यक्त करते हैं ?
- (A) उसके पास बैठकर समय बिताकर
- (B) उसका मान रखते हुए कुछ खाकर
- (C) उसका दुख-दर्द सुनकर
- (D) उसके नमस्कार का जवाब देकर

(iii) धरती को नमस्कार करने में कवि का क्या संदेश छिपा है ?
- (A) पर्यावरण के प्रति जागरूकता
- (B) धरती को माँ मानना
- (C) अपनी श्रेष्ठता सिद्ध करना
- (D) पूर्वजों की बात का सम्मान करना

(iv) कवि ने माँ की उपमा एक बच्ची से दी है

(A) बच्ची जैसे व्यवहार के कारण

(B) निश्छल और सरल स्वभाव के कारण

(C) बुढ़ापे में आदतें बदल जाने के कारण

(D) सबको नमस्कार करने के कारण

(v) माँ मृत्यु को भी नमस्कार करती है, इस बात से उसके बारे में कहा जा सकता है

(A) समभावी

(B) निडर

(C) संवेदनशील

(D) निरापद

अथवा

पद्यांश दो

(यदि आप इस पद्यांश का चयन करते हैं तो कृपया उत्तर-पुस्तिका में लिखिए कि आप प्रश्न संख्या दो में दिए गए पद्यांश दो पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिख रहे हैं ।)

इच्छा तो बहुत थी कि एक घर होता
मेंहदी के अहाते वाला
कुछ बाड़ी-झाड़ी

कुछ फल-फूल
और द्वार पर एक गाय
और बाहर बरामदे में बेंत की कुर्सी
बारिश होती कड़कड़ धुआँ उठता
लोग-बाग आते
कभी बहन, कभी भाई, साथी-संगी
कुछ फैलावा रहता थोड़ी ख़ुशफैली
पर लगा – कुछ ज़्यादा चाह लिया
स्वप्न भी यथार्थ के दास हैं भूल गया
ख़ैर ! जैसे भी हो जीवन कट जाएगा
न अपना घर होगा न ज़मीन
फिर भी आसमान तो होगा कुछ-न-कुछ
फिर भी नदी होगी कभी भरी, कभी सूखी,
रास्ते होंगे, शहर होगा और एक पुकार
और यह भी कि कोई इच्छा थी कभी
तपती धरती पर तलवे का छाला ।

निम्नलिखित प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

(i) कवि ने क्या सपना देखा था ?

(A) मेहमानों से भरे घर का

(B) भरे-पूरे परिवार वाले घर का

(C) बड़े शहर में घर होने का

(D) आँगन वाले अपने घर का

(ii) 'कुछ फल-फूल
और द्वार पर एक गाय
और बाहर बरामदे में बेंत की कुर्सी'
— इन पंक्तियों में कवि कहना चाहता है

(A) चैन-शांति की ज़िंदगी हो

(B) ख़ुशनुमा घर हो

(C) बेंत की कुर्सी पर आराम से बैठे हों

(D) मिलने-जुलने वालों का ताँता लगा रहे

(iii) सपने और वास्तविकता दो समानांतर रेखाओं के समान हैं — यह भाव किस पंक्ति में आया है ?

(A) कुछ फैलावा रहता थोड़ी ख़ुशफैली

(B) स्वप्न भी यथार्थ के दास हैं भूल गया

(C) पर लगा – कुछ ज़्यादा चाह लिया

(D) फिर भी आसमान तो होगा कुछ-न-कुछ

(iv) 'तपती धरती पर तलवे का छाला' उपमान किसके लिए प्रयुक्त हुआ है ?

(A) हार्दिक इच्छा

(B) विकट परिस्थितियाँ

(C) क्रूर यथार्थ के अनुभव

(D) अपना घर-द्वार

(v) कवि किस उम्मीद में जीवन व्यतीत करने को प्रेरित है ?

(A) आसमान-नदी के सहारे

(B) भाई-बहन, संगी-साथी के सहारे

(C) बाड़ी-झाड़ी के सहारे

(D) फल-फूल-गाय के सहारे

व्यावहारिक व्याकरण

3. निम्नलिखित पाँच भागों में से किन्हीं ***चार*** भागों के उत्तर लिखिए : *4×1=4*

(i) 'उनका सेक्रेटरी और शायद जासूस भी उनके पहले ही इस महाद्वीप का तूफ़ानी दौरा करने वाला था ।' इस वाक्य का रचना के आधार पर वाक्य-भेद होगा

(A) सरल वाक्य

(B) मिश्र वाक्य

(C) संयुक्त वाक्य

(D) जटिल वाक्य

(ii) 'इन ख़बरों से हिंदुस्तान में सनसनी फैल रही थी ।'
उपर्युक्त वाक्य का मिश्र वाक्य में रूपांतरित रूप होगा

(A) इन ख़बरों द्वारा हिंदुस्तान में सनसनी फैल रही थी ।

(B) ये क्या ख़बरें थीं और इनसे हिंदुस्तान में सनसनी फैल रही थी ?

(C) ये ख़बरें ऐसी थीं जिनसे हिंदुस्तान में सनसनी फैल रही थी ।

(D) ये ख़बरें हिंदुस्तान में सनसनी फैला रही थीं ।

(iii) 'रोज़ लंदन के अख़बारों से ख़बरें आ रही थीं कि शाही दौरे के लिए कैसी-कैसी तैयारियाँ हो रही हैं ?'
उपर्युक्त वाक्य में आश्रित उपवाक्य का भेद कौन-सा है ?

(A) विशेषण आश्रित उपवाक्य

(B) संज्ञा आश्रित उपवाक्य

(C) क्रिया-विशेषण आश्रित उपवाक्य

(D) प्रथम समानाधिकरण उपवाक्य

(iv) निम्नलिखित में से कौन-सा वाक्य संयुक्त वाक्य ***नहीं*** है ?

(A) ज़माना नया होने के कारण फ़ौज-फाटे के साथ निकलने के दिन बीत चुके थे ।

(B) ज़माना नया था अतः फ़ौज-फाटे के साथ निकलने के दिन बीत चुके थे ।

(C) ज़माना नया था और फ़ौज-फाटे के साथ निकलने के दिन बीत चुके थे ।

(D) ज़माना नया था इसलिए फ़ौज-फाटे के साथ निकलने के दिन बीत चुके थे ।

(v) 'रानी ने हलके नीले रंग का सूट बनवाया है जिसका रेशमी कपड़ा हिंदुस्तान से मँगाया गया था ।' इस वाक्य में उपवाक्य और उसके भेद का सही विकल्प चुनकर लिखिए :

(A) रानी ने हलके नीले रंग का सूट बनवाया है — संज्ञा आश्रित उपवाक्य

(B) जिसका रेशमी कपड़ा हिंदुस्तान से मँगाया गया था — क्रिया-विशेषण आश्रित उपवाक्य

(C) रानी ने हलके नीले रंग का सूट बनवाया है — क्रिया-विशेषण आश्रित उपवाक्य

(D) जिसका रेशमी कपड़ा हिंदुस्तान से मँगाया गया था — विशेषण आश्रित उपवाक्य

4. निम्नलिखित पाँच भागों में से किन्हीं ***चार*** भागों के उत्तर लिखिए : *4×1=4*

(i) 'प्रिंस फिलिप के कारनामे छापे ।' इस वाक्य का वाच्य-भेद है

(A) कर्मवाच्य

(B) भाववाच्य

(C) कर्तृवाच्य

(D) करणवाच्य

(ii) 'शाही महल में रहने और पलने वाले कुत्तों की तसवीरें अख़बारों में छापी गईं ।' इस वाक्य का वाच्य-भेद है

(A) कर्मवाच्य

(B) भाववाच्य

(C) करणवाच्य

(D) कर्तृवाच्य

(iii) निम्नलिखित वाक्यों में से भाववाच्य का वाक्य है :

(A) शंख इंग्लैंड में बज रहा था ।

(B) अख़बारों में उनकी चर्चा की जा रही थी ।

(C) रानी एलिज़ाबेथ की जन्मपत्री भी छपी ।

(D) मूर्तिकार द्वारा समझा गया ।

(iv) निम्नलिखित में से कौन-सा वाक्य कर्मवाच्य ***नहीं*** है ?

(A) ख़ैर, मसला हल किया गया ।

(B) इस बात की पूरी छानबीन करने का काम सौंप दिया ।

(C) एक क्लर्क को फ़ोन किया गया ।

(D) फ़ाइलों द्वारा सब कुछ हज़म किया जा चुका है ।

(v) 'वह ज़ल्दी नहीं उठती ।' इस वाक्य का कर्मवाच्य में रूपांतरण होगा

(A) वह ज़ल्दी नहीं उठ पाती ।

(B) वह ज़ल्दी नहीं उठ सकती ।

(C) उससे ज़ल्दी नहीं उठा जाता ।

(D) उसे ज़ल्दी नहीं उठा पाएँगे ।

5. निम्नलिखित पाँच भागों में से किन्हीं ***चार*** भागों के उत्तर लिखिए : *4×1=4*

(i) 'सब मूर्तियाँ देख आया ।' रेखांकित पद का पद-परिचय होगा

(A) जातिवाचक संज्ञा, बहुवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक

(B) परिमाणवाचक विशेषण, बहुवचन, स्त्रीलिंग, मूर्तियाँ विशेष्य का विशेषण

(C) संख्यावाचक विशेषण, मूर्तियाँ विशेष्य का विशेषण, बहुवचन, स्त्रीलिंग

(D) पुरुषवाचक, सर्वनाम, बहुवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक

(ii) 'सिर्फ़ नाक नहीं थी ।' रेखांकित पद का पद-परिचय होगा

(A) अकर्मक क्रिया, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्तृवाच्य, भूतकाल

(B) सकर्मक क्रिया, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्तृवाच्य, भूतकाल

(C) परिमाणवाचक क्रिया-विशेषण, 'थी' क्रिया का विशेषण

(D) रीतिवाचक क्रिया-विशेषण, 'थी' क्रिया का विशेषण

(iii) 'अब बताइए, मैं क्या करूँ ?' रेखांकित पद का पद-परिचय होगा

(A) प्रश्नवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक

(B) पुरुषवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक

(C) निजवाचक सर्वनाम, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक

(D) निश्चयवाचक सर्वनाम, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक

(iv) 'रोगन लगाया गया था ।' रेखांकित पद का पद-परिचय होगा

(A) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक

(B) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक

(C) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक

(D) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक

(v) 'राजधानी में सब तैयारियाँ की गईं ।' रेखांकित पद का पद-परिचय होगा

(A) अकर्मक क्रिया, एकवचन, स्त्रीलिंग, भूतकाल, कर्तृवाच्य

(B) अकर्मक क्रिया, बहुवचन, स्त्रीलिंग, भूतकाल, कर्तृवाच्य

(C) सकर्मक क्रिया, एकवचन, स्त्रीलिंग, भूतकाल, कर्मवाच्य

(D) सकर्मक क्रिया, एकवचन, स्त्रीलिंग, भूतकाल, कर्तृवाच्य

6. निम्नलिखित पाँच भागों में से किन्हीं ***चार*** भागों के उत्तर लिखिए : *4×1=4*

(i) जिसके मन में स्थायी भाव उत्पन्न हों, वह है

(A) आश्रय

(B) उद्दीपन

(C) आलंबन

(D) विभाव

(ii) स्थायी भाव से अभिप्राय है

(A) आलंबन के भावों को उद्दीप्त करते हैं ।

(B) सहृदय के मन में स्थिर रूप से विद्यमान रहते हैं ।

(C) आश्रय के चित्त में उत्पन्न होने वाले स्थिर भाव ।

(D) आश्रय के चित्त में उत्पन्न होने वाले अस्थिर भाव ।

(iii) जो आलंबन के भावों को उद्दीप्त करें, वे हैं

(A) संचारी भाव

(B) अनुभाव

(C) उद्दीपन भाव

(D) विभाव

(iv) हमारैं हरि हारिल की लकरी ।
मन क्रम बचन नंद-नंदन उर, यह दृढ़ करि पकरी ।
जागत सोवत स्वप्न दिवस-निसि, कान्ह-कान्ह जकरी ।
उपर्युक्त पंक्तियों में निहित रस है
(A) शृंगार रस
(B) करुण रस
(C) रौद्र रस
(D) शांत रस

(v) उतर देत छोड़ौं बिनु मारे । केवल कौसिक सील तुम्हारे ।
न त येहि काटि कुठार कठोरे । गुरुहि उरिन होतेउँ श्रम थोरे ।
उपर्युक्त पंक्तियों में निहित रस है
(A) करुण रस
(B) वीर रस
(C) रौद्र रस
(D) भयानक रस

पाठ्य-पुस्तक

7. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्पों का चयन कीजिए : *5×1=5*

फ़ादर को याद करना एक उदास शांत संगीत को सुनने जैसा है । उनको देखना करुणा के निर्मल जल में स्नान करने जैसा था और उनसे बात करना कर्म के संकल्प से भरना था । मुझे 'परिमल' के वे दिन याद आते हैं जब हम सब एक पारिवारिक रिश्ते में बँधे जैसे थे जिसके बड़े फ़ादर बुल्के थे । हमारे हँसी-मज़ाक में वह निर्लिप्त शामिल रहते, हमारी गोष्ठियों में वह गंभीर बहस करते, हमारी रचनाओं पर बेबाक राय और सुझाव देते और हमारे घरों के किसी भी उत्सव और संस्कार में वह बड़े भाई और पुरोहित जैसे खड़े हो हमें अपने आशीषों से भर देते ।

(i) फ़ादर को याद करना एक उदास शांत संगीत को सुनने जैसा क्यों है ?
(A) उनकी अनुपस्थिति उदासी और शांति का प्रतीक है
(B) उनका हमारे बीच न होना उदासी और मधुर स्मृतियों से भर देता है
(C) उनके उदास शांत संगीत के लिए आज भी लोग याद करते हैं
(D) उनकी मधुर आवाज़ के शांत होने पर सभी फ़ादर को याद करते हैं

(ii) 'कर्म के संकल्प से भरना' — का अभिप्राय है
(A) कर्म के प्रति जागरूकता
(B) निरंतर कर्म करते जाना
(C) संकल्प भरते जाना
(D) कर्मठता के प्रति दृढ़ता का भाव

(iii) यहाँ 'परिमल' से तात्पर्य है
(A) निराला का काव्य-संग्रह
(B) साहित्यिक गतिविधियों के लिए समूह
(C) उत्साही युवकों का संगठन
(D) फ़ादर बुल्के के घनिष्ठ मित्र

(iv) 'हमारे हँसी-मज़ाक में वह निर्लिप्त शामिल रहते, हमारी गोष्ठियों में वह गंभीर बहस करते, हमारी रचनाओं पर बेबाक राय और सुझाव देते ।' इन पंक्तियों में फ़ादर की कौन-सी विशेषताएँ उभरकर आती हैं ?

(A) निष्पक्ष और स्पष्टवादी

(B) निर्लिप्त और मिलनसार

(C) शांत और उदास

(D) हँसमुख और संस्कारी

(v) 'उनका व्यवहार संन्यासियों से हटकर था,' किस पंक्ति में यह तथ्य ***नहीं*** उभरता ?

(A) पारिवारिक उत्सवों में वे बड़े भाई के समान खड़े रहते थे ।

(B) हमें अपने आशीषों से भर देते थे ।

(C) अपने परिवार को छोड़कर भारत आए थे ।

(D) कभी गृहस्थी के झंझट में नहीं पड़े थे ।

8. निम्नलिखित प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प का चयन कीजिए : *2×1=2*

(i) 'पान वाले' की उदासी का कारण था

(A) कैप्टन का स्वभाव

(B) कैप्टन की मृत्यु की सूचना

(C) मूर्ति की आँखों में चश्मा न होना

(D) धोती के सिरे से आँखें पोंछना

(ii) धान की रोपाई के वक़्त भगत क्या करते कि सभी में उल्लास भर जाता ?

(A) वे नृत्य करते

(B) जादुई संगीत में डूबते

(C) खेत की रोपनी करते

(D) फ़सल की कटाई करते

9. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प का चयन कीजिए : *5×1=5*

लखन कहा हसि हमरे जाना । सुनहु देव सब धनुष समाना ।।
का छति लाभु जून धनु तोरें । देखा राम नयन के भोरें ।।
छुअत टूट रघुपतिहु न दोसू । मुनि बिनु काज करिअ कत रोसू ।।
बोले चितै परसु की ओरा । रे सठ सुनेहि सुभाउ न मोरा ।।
बालकु बोलि बधौं नहि तोही । केवल मुनि जड़ जानहि मोही ।।
बाल ब्रह्मचारी अति कोही । बिस्वबिदित क्षत्रियकुल द्रोही ।।
भुजबल भूमि भूप बिनु कीन्ही । बिपुल बार महिदेवन्ह दीन्ही ।।
सहसबाहुभुज छेदनिहारा । परसु बिलोकु महीपकुमारा ।।

(i) लक्ष्मण ने कब कहा — 'सुनहु देव सब धनुष समाना' ?

(A) राम द्वारा शिव धनुष के टूटने पर

(B) धनुष किसने तोड़ा — परशुराम के पूछने पर

(C) लक्ष्मण द्वारा वाद-विवाद करने पर

(D) परशुराम के क्रोधित होने पर

(ii) 'देखा राम नयन के भोरें' — का आशय है

(A) राम की आँखें धोखा खा गईं

(B) राम ने नए धनुष के धोखे में देखा

(C) राम ने लक्ष्मण की ओर देखा

(D) राम ने सारी स्थिति को समझा

(iii) राम को निर्दोष साबित करने के लिए लक्ष्मण ने क्या ***नहीं*** कहा ?

(A) राम के छूते ही टूट गया

(B) अकारण क्यों क्रोध कर रहे हैं

(C) प्राचीन धनुष के टूटने से क्या लाभ क्या हानि

(D) सभी धनुष एक जैसे हैं

(iv) 'परशुराम बार-बार अपने फरसे को देखते हैं, सँभालते हैं ।' इससे वे क्या दर्शाते हैं ?

(A) वीरता

(B) क्रोध

(C) डर

(D) विवशता

(v) राजाओं से भूमि जीतकर परशुराम उसका क्या करते थे ?

(A) खेती-बाड़ी

(B) योगाभ्यास

(C) युद्ध की तैयारी

(D) ब्राह्मणों को दान

10. निम्नलिखित प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प का चयन कीजिए : *2×1=2*

(i) गोपियाँ उद्धव को 'बड़भागी' कहकर क्या व्यंग्य करती हैं ?

(A) वे कृष्ण के सान्निध्य में रहते हैं

(B) वे अनुराग को क्या जानें

(C) कभी स्नेह के धागे से बँधे नहीं तो विरह वेदना क्या जानें

(D) संदेश हमारी समझ के बाहर है

(ii) 'अट नहीं रही है' कविता में किसके सर्वव्यापक सौंदर्य की बात की गई है ?

(A) प्रकृति

(B) बादल

(C) लड़कियाँ

(D) फागुन

खण्ड ब

(वर्णनात्मक प्रश्न)

पाठ्य-पुस्तक एवं पूरक पाठ्य-पुस्तक

11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 25 – 30 शब्दों में लिखिए : *4×2=8*

(i) यदि आप प्रशासनिक अधिकारी हों तो अपने क्षेत्र में किसकी मूर्ति चौराहे पर स्थापित करवाना चाहेंगे और क्यों ? 'नेताजी का चश्मा' पाठ के आधार पर लिखिए ।

(ii) 'बालगोबिन भगत' पुत्र की मृत्यु पर रोने के बजाय उत्सव मनाने की बात क्यों कहते हैं ?

(iii) किन कारणों से नवाब साहब ने खीरे नहीं खाए ? 'लखनवी अंदाज़' पाठ के आधार पर लिखिए ।

(iv) 'बालगोबिन भगत' की कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं था, कोई दो उदाहरण लिखिए ।

12. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 – 70 शब्दों में लिखिए : *3×2=6*

(i) 'कन्यादान' कविता में माँ ने ऐसा क्यों कहा कि 'लड़की होना पर लड़की जैसी दिखाई मत देना' ?

(ii) 'उत्साह' शीर्षक कविता में ललित कल्पना और क्रांति-चेतना दोनों हैं, कैसे ? समझाकर लिखिए ।

(iii) उद्धव महाज्ञानी थे लेकिन अनपढ़-गँवार गोपियों के वाक्चातुर्य के आगे उन्हें घुटने टेकने पड़े, क्यों ? अपने विचार संक्षेप में व्यक्त कीजिए ।

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 – 50 शब्दों में लिखिए : *2×3=6*

(i) आजकल पर्यावरण के प्रति लोगों की जागरूकता बढ़ने लगी है । इसमें तेज़ी लाने के लिए आपकी क्या भूमिका हो सकती है ? 'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ के आधार पर लिखिए ।

(ii) पत्रकारिता के किस प्रभाव से युवा पीढ़ी को बचना चाहिए ? 'जॉर्ज पंचम की नाक' पाठ के आलोक में बताइए ।

(iii) आपके पालन-पोषण में माता-पिता के योगदान पर 'माता का अँचल' पाठ के आधार पर अपने विचार लिखिए ।

लेखन

14. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 80 – 100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए : *5*

(i) ऐसे हों पड़ोसी
- सहायता को तत्पर
- मिलनसार
- मृदुल व्यवहार

(ii) संघर्ष की परिणति विजय
- संघर्षशील जीवन
- चुनौती और संघर्ष
- विजय की ख़ुशी

(iii) याद आता है विद्यालय का प्रांगण
- विद्यालय की मस्ती
- मित्रों का साथ
- कक्षा की पढ़ाई

15. (क) आपके मित्र का तैराकी के लिए अगले ओलंपिक खेलों के लिए चयन हो गया है । उसे प्रोत्साहन देते हुए 80 – 100 शब्दों में पत्र लिखिए । *5*

अथवा

(ख) कोविड के समय आपके दादा-दादी की देखभाल करने वाली नर्स के सद्व्यवहार की प्रशंसा करते हुए अस्पताल प्रशासन को 80 – 100 शब्दों में पत्र लिखिए । *5*

16. (क) एक साइकिल कंपनी किशोरों के लिए नया उत्पाद बाज़ार में लाना चाहती है । उसके लिए 25 – 50 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए । *5*

अथवा

(ख) इस बरसात में आपने कुछ पौध तैयार की हैं । जिन्हें आप निःशुल्क वितरित करना चाहते हैं । सोसायटी सचिव की तरफ़ से 25 – 50 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए । *5*

17. (क) अपनी मित्र सुधा को बैडमिंटन में राजकीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए बधाई पत्र 30 – 40 शब्दों में लिखिए । *5*

अथवा

(ख) आपका मित्र ओजस्वी पहली बार एक नाट्य प्रस्तुति में भाग ले रहा है । उसके लिए शुभकामना संदेश 30 – 40 शब्दों में भेजिए । *5*